MP METRO NEWS

1st June 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
1	नव दुनिया	भोपाल	01.06.2024	2	रात 12:15 बजे दौड़ी हमारी मेट्रो	Positive

रात 12:15 बजे दौड़ी हमारी मेट्रो

मेट्रो ट्रेन के तमाम उपकरणों की जांच के लिए देर रात को मेट्रो का ट्रायल रन 80 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से किया। ● नवदुनिया

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल : सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन से लेकर रानी कमलापति स्टेशन तक शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात को भोपाल मेट्रो का ट्रायल रन हुआ। भोपाल मेट्रो ट्रैक पर करीब सवा बारह बजे निकली। इस दौरान मेट्रो के सभी लाइटें चालू थीं। ज्ञात हो कि अब तक जितनी बार भी मेट्रो ट्रेन का ट्रायल रन हुआ है। वह दिन में किया गया था, लेकिन पहली बार मेट्रो ट्रेन का देर रात को ट्रायल रन किया गया। मेट्रो प्रबंधन के अनुसार रात में मेट्रो का ट्रायल रन इसलिए किया गया ताकि मेट्रो ट्रेन में लगे विद्युत उपकरणों की जांच की जा सके। ताकि कमर्शियल रन के दौरान जब मेट्रो चलाई जाएगी, तब किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत यात्रियों को न हो। मेट्रो ट्रेन के तमाम उपकरणों की जांच के लिए देर रात को मेट्रो का ट्रायल रन किया गया। इस दौरान मेट्रो 80 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार चलाई गई।

● विद्युत उपकरणों की जांच के लिए चालू की गई ट्रेन की लाइटें

MP METRO NEWS

2nd June 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
02	Times of India	Bhopal	02.06.2024	2	Metro night trail blazer	Neutral

METRO NIGHT TRAILBLAZER

A Moeed Faruqui

ON TRACK: Another trial run is underway for Bhopal Metro from Subhash Nagar to Rani Kamalapati railway station. Similar trial run was held in Sept year. The project is far behind schedule of the mid-2024 start announced earlier for a stretch from Depot to AIIMS Bhopal

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
3	दैनिक भास्कर	भोपाल	02.06.2024	01	करौंद व आरिफ़ नगर में मेट्रो लाइन के लिये शुरू हुई सॉइल टेस्टिंग	Neutral

दैनिक भास्कर डीबी स्टार भोपाल 02-06-2024

Pg-01

करोंद व आरिफ नगर में मेट्रो लाइन के लिए शुरू हुई सॉइल टेस्टिंग

भोपाल (डीबी स्टार) एम्स से सुभाष नगर तक चल रहे मेट्रो रेल लाइन का काम पूरा होने से पहले ही मेट्रो कंपनी के अधिकारियों ने करोंद से सुभाष नगर तक मेट्रो लाइन बिछाने का काम शुरू कर दिया है। करोंद में भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान के पास और आरिफ नगर के पास स्थित सीएनजी पेट्रोल पंप के सामने मिट्टी की जांच के लिए बेरिकेडिंग की गई है। बता दें कि मेट्रो कंपनी द्वारा पहले चरण में एम्स से करोंद तक ऑरेंज लाइन का काम किया जाना है, जिसमें से एम्स से सुभाष नगर लाइन का काम चल रहा है। वहीं जल्दी ही सुभाष नगर से करोंद तक लाइन बिछाने का काम शुरू किया जाएगा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
4	दैनिक भास्कर	भोपाल	02.06.2024	14	पहली बार रात में मेट्रो का ट्रायल, ब्रेक्गि सिस्टम जाँच	Neutral

दैनिक भास्कर
भोपाल 02-06-2024
Pg-14

80 की रफ्तार से दौड़ी ट्रेन, 5 स्टेशन बन चुके

पहली बार... रात में मेट्रो का ट्रायल, ब्रेकिंग सिस्टम जांचा

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

भोपाल मेट्रो के ट्रायल रन लगातार जारी हैं। शुक्रवार देर रात मेट्रो कॉरपोरेशन से जुड़ी निजी कंपनी ने एक बार फिर ट्रायल किया। पहली बार मेट्रो का ट्रायल रन रात में किया गया। 80 किमी की स्पीड से ट्रायल रन सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक किया गया।

मेट्रो कॉरपोरेशन के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक ब्रेकिंग सिस्टम की जांच के लिए ट्रायल रन हुआ। लाइटिंग और पावर सप्लाई के लिए पहले ही ट्रायल रन हो चुका है। अधिकारी के मुताबिक ट्रायल रन के लिए ब्लॉक परमिशन लेनी होती है। निजी कंपनी को रात के समय परमिशन मिली इसलिए उस समय पर टेस्टिंग की गई। ट्रायल रन में अप और डाउन दोनों ही ट्रैक का उपयोग हो रहा है।

हालांकि रात के समय पहली बार मेट्रो रेल चलने से आसपास मौजूद लोग रुककर अपने मोबाइल फ़ोन पर इस नजारे को कैद करने लगे। सुभाषनगर से आरकेएमपी स्टेशन तक 5 मेट्रो स्टेशन बनकर लगभग तैयार हैं, फिनिशिंग बाकी है।

मेट्रो के अधिकारियों के मुताबिक सिस्टम पूरा होते ही कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी, नई दिल्ली को प्रस्ताव भेजा जाएगा। कमिश्नर आकर जांच करेंगे और सिस्टम के पूरा और सुरक्षित होने का सर्टिफिकेट देंगे। इसके बाद ही कमर्शियल रन शुरू हो सकेगा। हालांकि इसमें कुछ महीनों का समय लग सकता है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
5	पत्रिका	भोपाल	02.06.2024	02	पहली बार रात मे जगमग होकर 80 किमी/घंटा की रफ्तार से दौड़ी मेट्रो	Positive

पत्रिका {भोपाल प्राइम}
BHOPAL PRIME
पत्रिका भोपाल, रविवार, 02 जून 2024
SUNDAY
patrika.com

पहली बार रात में जगमग होकर 80 किमी/घंटा की रफ्तार से दौड़ी मेट्रो

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. मेट्रो ट्रेन बीती रात अपनी पूरी लाइटिंग क्षमता के साथ सुभाष मेट्रो स्टेशन से रानी कमलापति स्टेशन के बीच दौड़ी। ऐसा पहली बार हुआ है। रात में ट्रायल होते रहे हैं, लेकिन ये पहली बार है जब मेट्रो कोच के सभी 77 लाइटिंग सिस्टम एक साथ चालू हुए। एमडी मेट्रो ट्रेन कारपोरेशन सीथी चक्रवर्ती का कहना है कि स्टेशन पर रात को सिविल काम बंद रहते हैं, इसलिए रात को ट्रायल करना ज्यादा आसान होता है। पूरी लाइटिंग क्षमता के साथ रात को पहली बार ट्रायल हुआ। रात को ट्रेन चलाई गई, लेकिन लाइटिंग समेत अन्य उपकरणों की जांच नहीं की। ऐसा पहली बार किया। गौरतलब है कि मेट्रो का पहला ट्रायल तीन अक्टूबर 2023 को हुआ था। इसके बाद तीन कोच की रैक अलग-अलग स्तर पर ट्रायल करती रही है। मेट्रो ट्रेन कारपोरेशन के शोभित टंडन का कहना है कि हर ट्रायल के बाद मेट्रो ट्रेन की क्षमतावृद्धि होती है। कमर्शियल रन के पहले सभी रैक के साथ ट्रैक के तमाम स्थितियों, उपकरणों और व्यवस्थाओं को कई बार ट्रायल से गुजारा जाएगा।

चमकती मेट्रो दौड़ी तो ट्रैक के नीचे लगी लोगों की भीड़

आधी रात की ही बात है, जबकि मेट्रो ट्रेन पूरी लाइटिंग के साथ चमकती, दमकती गुजरी तो उस समय जो लोग नीचे खड़े हुए थे, वे वहीं ठहर गए। अपने मोबाइल निकालकर फोटो-वीडियो बनाने लगे। ऐसा नजारा पहली बार देखने को मिल रहा था। सुभाष स्टेशन से रानी कमलापति के बीच पांच स्टेशन से मेट्रो गुजरी। गौरतलब है कि 2025 जनवरी में ही आमजन के साथ मेट्रो की यात्रा शुरू होने की स्थिति है। अभी काफी काम बाकी है।

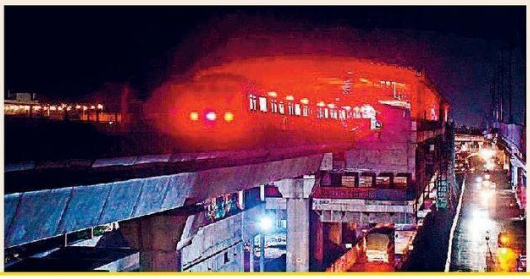

जीजी फ्लाइओवर के पास मेट्रो के अस्थाई खंभे तैयार

भोपाल @ पत्रिका. मेट्रो ट्रेन के गणेश मंदिर से साकेत नगर की ओर रेलवे ओवरब्रिज को फेब्रिकेटेड करने के लिए जीजी फ्लाइओवर के पास लोहे के अस्थाई खंभे तैयार कर दिए गए हैं। ब्रिज को साकेत नगर की ओर तैयार किया जा रहा है। रेलवे लाइन से ये दूसरी ओर है। नीचे से गर्डर के पाट्र्स उपर ले जाकर जोड़े जा रहे हैं। गर्डर बनने के बाद रेलवे का दो घंटे का शट डाउन लेकर गर्डर को गणेश मंदिर की ओर खींचा जाएगा। यहां भी रेलवे लाइन से पहले के भाग पर गर्डर को बनाने का काम होगा। रेलवे लाइन के उपर वाले गर्डर को ही खींचकर दो घंटे में फीट करेंगे।

02/06/2024 | Bhopal | Page : 2
Source : https://epaper.patrika.com/

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
06	पत्रिका	भोपाल	02.06.2024	02	विकसित होते शहर ओर मेट्रो स्टेशन का दृश्य	Positive

पत्रिका ZOOM | HYPER LOCAL | भोपाल | रविवार, 02 जून, 2024

भेल नर्मदापुरम रोड

अयोध्या बाईपास | गोविंदपुरा | बाग सेवनिया | कटारा हिल्स | साकेत नगर

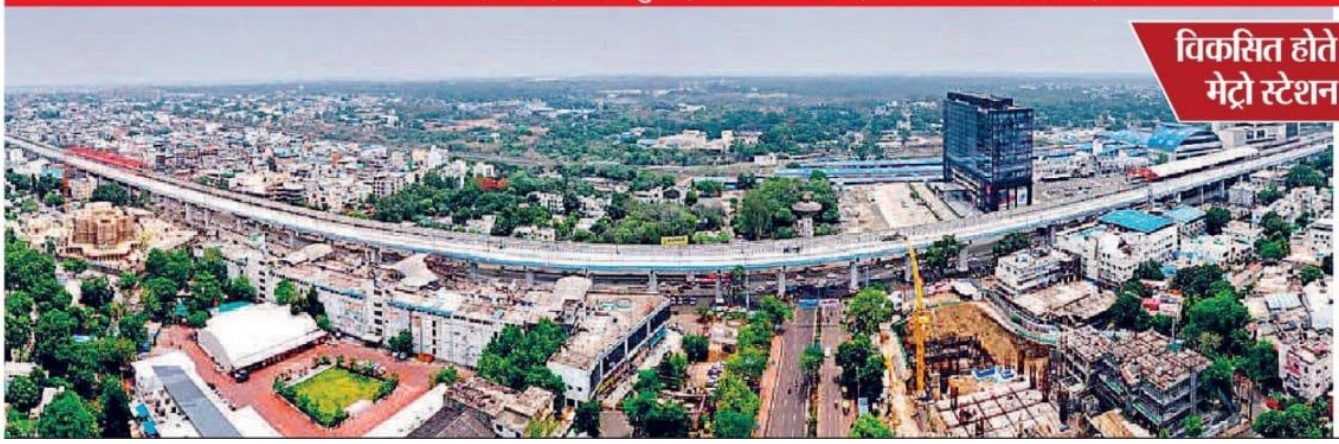

विकसित होते शहर और मेट्रो स्टेशन का दृश्य

भोपाल. ओवर ब्रिज, मेट्रो ब्रिज के साथ विश्व स्तरीय रेलवे स्टेशन, विशाल जैन मंदिर के बनने से शहर का स्वरूप ही बदलता जा रहा है। ऊंची-ऊंची मीनारों के बीच वाहनों से ट्रेन के हाईटेक होते ट्रैक का दृश्य ड्रोन कैमरे से अब भव्य दिखाई देने लगा है। **ड्रोन फोटो-रजत शर्मा**

MP METRO NEWS

4th June 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
7	पत्रिका	भोपाल	04.06.2024	03	मेट्रो ट्रेन: ट्रैक के पहले एक ही सीसी डक्ट बाक़ी	Neutral

MY CITY माय सिटी 03 पत्रिका
भोपाल, मंगलवार, 04 जून 2024

फोटो स्टोरी

मेट्रो ट्रेन : ट्रैक के पहले एक ही सीसी डक्ट बाकी

भोपाल. मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट के तहत गणेश मंदिर की ओर से दो पीलर के बीच वाया डक्ट के एक हिस्से का काम पूरा हो चुका है। इसके लिए यहां डायवर्जन लिया गया था। अब रेलवे लाइन से पहले एक हिस्सा बाकी है। अगले दस दिन में इसका काम पूरा हो जाएगा। दूसरी तरफ नर्मदापुरम रोड पर स्टील की गर्डर का फेब्रिकेशन का 60 फीसदी काम हो चुका है। रोड पर गर्डर का काम पूरा होने के साथ ही संभव है अगले 12 से पंद्रह दिन में रेलवे लाइन पर ब्लॉक लेकर इसे रेलवे लाइन पर रख दिया जाए। इसके बाद रोड पर फिर नई गर्डर बनाकर उसे साकेत नगर की ओर सीसी वाया डक्ट के हिस्से से जोड़कर कॉरीडोर को पूरा कर दिया जाएगा। ये काम पूरे जून माह चलने की उम्मीद है।

फोटो: अजय शर्मा

MP METRO NEWS

10th June 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
08	पत्रिका	भोपाल	10.06.2024	02	नजर आने लगा मेट्रो का रेलवे ओवरब्रिज, गर्ड	Neutral

BHOPAL PRIME
भोपाल प्राइम

पत्रिका
भोपाल, सोमवार, 10 जून 2024 02

नजर आने लगा मेट्रो का रेलवे ओवरब्रिज, गर्डर तैयार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट के तहत गणेश मंदिर से साकेत नगर में रेलवे लाइन से लेकर रोड को क्रॉस करने स्टील गर्डर का काम अब नजर आने लगा है।

बीते करीब ढाई माह से चल रहे काम में गर्डर को फिलहाल रोड पर फेब्रिकेटेड कर दिया गया है। अब इसे ब्रिज की तरह कसा जा रहा है। जून आखिर तक ब्रिज का काम पूरा होने की उम्मीद है। इसके साथ ही डायवर्जन खत्म कर दिया जाएगा।

113 मीटर का है स्टील गर्डर

रेलवे लाइन से लेकर सड़क तक 113 मीटर स्टील गर्डर बनाया जा रहा है। इसके पार्ट्स राजस्थान के अलवर से मंगाए गए हैं। गर्डर लान्च के बाद साकेत नगर की ओर मेट्रो स्टेशन है का काम भी चल रहा है। गर्डर बिछाने के साथ ही यहां ट्रैक तैयार करने का काम शुरू किया जा रहा है।

जून तक होना था कमर्शियल रन

3 अक्टूबर 2023 में तत्कालीन सीएम शिवराजसिंह चौहान ने मेट्रो के ट्रायल रन को हरी झंडी दी तब दावा किया था कि मई-जून में कमर्शियल रन शुरू हो जाएगा। हालांकि अभी ब्रिज ही तैयार नहीं हुआ है, ट्रैक व अन्य काम बाकी है। अब ये काम दिसंबर तक पूरा होने की उम्मीद है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
09	हरि भूमि	भोपाल	10.06.2024	2	सुभाष नगर व एम्स स्टेशन के पास बनेगी यात्रियों के लिए वाहन पार्किं	Neutral

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, सोमवार 10 जून 2024

सुभाष नगर से एम्स तक प्रायोरिटी कॉरिडोर पर आखिरी गर्डर भी लांच हुआ

अंतिम ट्रायल रन 110 की स्पीड पर होगा, अभी 80 की स्पीड पर दौड़ रही मेट्रो

आरकेएमपी से एम्स तक ट्रैक बिछाने में अभी लगेगा दो माह और का वक्त

सुभाष नगर व एम्स स्टेशन के पास बनेगी यात्रियों के लिए वाहन पार्किंग

आरकेएमपी स्टेशन के पास चल रहा डिवाइडरों पर पेंट का कार्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन के बीच मेट्रो के पांच स्टेशन बनकर तैयार हो गए हैं। अब इनके आसपास पार्किंग की व्यवस्था की जा रही है, जिससे यात्री अपना वाहन पार्किंग में पार्क कर मेट्रो में सफर कर सकें। इसके बाद रानी कमलापति मेट्रो स्टेशन के साथ ही एम्स तक मेट्रो स्टेशनों का काम अंतिम चरण में है। सबसे बड़ी पार्किंग की व्यवस्था एम्स मेट्रो स्टेशन के पास रहेगी। मेट्रो कंपनी के अनुसार सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन के बीच मेट्रो कोच को ट्रैक पर दौड़ाकर ट्रायल रन किया जा रहा है। इसके साथ ही मेट्रो स्टेशन के काम भी लगभग पूरे हो गए हैं। अब इन स्टेशनों के पास पार्किंग की व्यवस्था की जा रही है, जिससे मेट्रो का कामर्शियल रन शुरू होने से पहले यह पार्किंग बनकर तैयार हो जाएं।

प्रायोरिटी कॉरिडोर में कुल 1368 गर्डर

भोपाल मेट्रो के सुभाष नगर से एम्स तक के प्रायोरिटी कॉरिडोर के कुल 8 स्टेशन हैं। इन स्टेशन का काम भी अंतिम चरण में चल रहा है। आखिरी गर्डर अलकापुरी स्टेशन पर रखा गया। इसके 3 स्टेशन, अलकापुरी, एम्स और डीआरएम ऑफिस पर ट्रैक बिछाकर एंट्री और दीवारें बनाने का काम शुरू होगा। प्रायोरिटी कॉरिडोर 6.22 किमी लंबा है, जो सुभाष नगर से एम्स के बीच है। इस दौरान 8 स्टेशन हैं। जिसमें से सुभाष नगर, खेड़ी ऑफिस, एमपी नगर, केंद्रीय स्कूल और रानी कमलापति स्टेशन पर पिछले साल ही गर्डर ट्रैक की लॉन्चिंग हो चुकी है। अलकापुरी, एम्स और डीआरएम ऑफिस स्टेशनों का काम शुरू नहीं हो सका था।

रानी कमलापति से एम्स तक बिछना है ट्रैक

रानी कमलापति से एम्स तक ट्रैक बिछाने का काम दो माह बाद शुरू होगा। क्योंकि अंतिम गर्डर का काम पूरा हो गया है। यह अंतिम गर्डर अलकापुरी रेलवे स्टेशन के लिए लांच किया गया। हबीबगंज रेलवे कासिंग पर स्टील ब्रिज बिछाने का काम चल रहा है। इस ब्रिज के बनने के बाद ही एम्स तक ट्रैक बिछाने का काम शुरू होगा।

मेट्रो का ट्रायल रन विकास कार्य के साथ चल रहा

मेट्रो कंपनी के अनुसार अब तक की सबसे ज्यादा 80 की स्पीड में मेट्रो दौड़ चुकी है। इसे बड़ी सफलता माना जा रहा है, क्योंकि जब भी मेट्रो का कमर्शियल रन शुरू होगा, तब यही रफ्तार रहेगी। जबकि अंतिम ट्रायल रन 110 किलोमीटर प्रति घंटे का होना है। इसके साथ ही मेट्रो स्टेशन व अन्य विकास कार्य भी तेजी से चल रहे हैं। इसलिए अब पार्किंग को लेकर भी आसपास की भूमि को समतल किया जा रहा है।

MP METRO NEWS

11th June 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
10	दैनिक भास्कर	भोपाल	11.06.2024	05	ट्रैक पर जगमग मेट्रो को देख लोगों ने इस नज़ारे को कैमरे मे किया कैद	Positive

दैनिक भास्कर भोपाल 11-06-2024 Pg-05

सुभाषनगर डिपो से आरकेएमपी तक मेट्रो का ट्रायल

ट्रैक पर जगमग मेट्रो को देख लोगों ने इस नजारे को कैमरे में किया कैद

भोपाल | मेट्रो का सोमवार को रात के समय दोबारा ट्रायल किया गया। सुभाषनगर डिपो से आरकेएमपी स्टेशन तक ट्रायल किया गया। ट्रायल रात के लगभग 10 बजे हुआ। इस ट्रायल में ब्रेकिंग सिस्टम, ट्रैक आदि की टेस्टिंग की गई। इससे पहले भोपाल मेट्रो का पहली बार 31 मई से 1 जून की दरमियानी रात को ट्रेल हुआ था। सोमवार रात को रोशनी से जगमगाते मेट्रो कोच को देखकर कई जगह लोग मोबाइल फोन में इस नजारे को कैद करने लगे। मेट्रो कारपोरेशन 8 स्टेशनों का काम पूरा करके इस साल के अंत तक कमर्शियल रन शुरू करने की तैयारी में है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
11	पत्रिका	भोपाल	11.06.2024	4	मोबाईल डेमो व्हीकल से दे रहे मेट्रो की ट्रैनिंग	Neutral

MY CITY माय सिटी
पत्रिका
भोपाल, मंगलवार 11 जून 2024
04

मोबाइल डेमो व्हीकल से दे रहे मेट्रों की ट्रेनिंग

भोपाल. मेट्रो ट्रेन कमर्शियल रन से पहले प्रोजेक्ट से जुड़े कर्मचारियों, अफसरों, और ठेका एजेंसी के कर्मचारियों को ट्रेनिंग दी जा रही है। इसके लिए एक मोबाइल डेमो व्हीकल तैयार किया गया। ये पूरी तरह से मेट्रो ट्रेन कोच की तरह है। इसमें किस तरह काम किया जाना है। कैसे इसकी मॉनीटरिंग से लेकर सुरक्षा व अन्य मामलों में सक्रियता से काम करना है। मेट्रो स्टेशन के टिकटिंग से लेकर यात्री सुविधा से जुड़े मामलों के कामों को कैसे करना है बताया जा रहा है। इससे पहले भी तीन दिनी ट्रेनिंग नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर्स में की गई।

MP METRO NEWS

12th June 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
12	Times of India	Bhopal	12.06.2024	02	MP Metro plan to introduce 'one nation, one card'	Neutral

Pg-02

TIMES CITY

THE TIMES OF INDIA, BHOPAL | WEDNESDAY, JUNE 12, 2024

MP Metro plan to introduce 'one nation, one card'

Can Be Used To Travel In Various Public Transport Services

TIMES NEWS NETWORK

Bhopal: Madhya Pradesh Metro Rail Corporation Limited (MPMRCL) has reinitiated the process of introducing one nation one card or National Common Mobility Card (NCMC), an interoperable transport card.

Simply put, the card could be used for various purposes, including public transport ticketing services, in Bhopal and Indore. As MPMRCL is starting from scratch, they have an advantage in implementing this system. Earlier, the city bus operator in Bhopal had found it difficult to implement the system.

The initiative was first proposed in October 2023 and again in February, this year, following the announcement by Bhopal City Link Limited (BCLL), a subsidiary of BMC. However, after discussions with financial institutions, BCLL was unable to secure PPP-mode participation and found transitioning to a new money transaction platform challenging, given their existing setup.

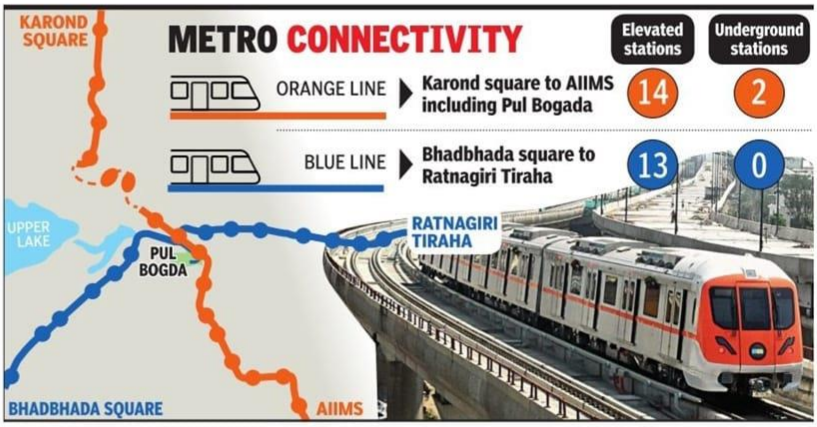

The MPMRCL proposal was valued at Rs 230 crore in October, while the BCLL proposal was estimated at around Rs 10 crore for a fleet of approximately 250 buses.

This week, MPMRCL has once again invited institutions to offer services related to the Open Loop NCMC, transaction acquiring and AFC integration.

The project aims to complete all works, including 57 stations in Indore and Bhopal, within 200 weeks, followed by a 364-week service period that includes defect liability and comprehensive maintenance.

The funding for this package is expected to come from the equity contributions of the Union govt and the state govt.

The NCMC and EMV cards, along with various payment portals, will serve as fare media and facilitate processing of transactions for merchants using debit/credit/prepaid card reader hardware or terminals.

Bhopal Metro Rail Project, designated as a National Priority City by the Union govt, has yet to begin passenger operations.

Metro rail projects in Bhopal and Indore aim to enhance both city's public transport system, which currently is limited to buses, BRTS, autorickshaws, app cabs, and private rental taxi services.

MP METRO NEWS

13th June 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
13	हरिभूमि	भोपाल	13.06.2024	01	रेलवे ब्लॉक की भी मंजूरी न मिलने से स्टील बिज बनाने में लग रहा है समय	Neutral

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, गुरुवार 13 जून 2024

रेलवे ब्लॉक की भी मंजूरी न मिलने से स्टील ब्रिज बनाने में लग रहा है समय

मेट्रो के स्टील ब्रिज के लिए रेलवे क्रॉसिंग और रोड पर फ्रेम तैयार

मेट्रो कंपनी ने दिया नई डेड लाइन तक काम पूरा करने का आदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

हबीबगंज रेलवे क्रासिंग व डीआरएम ऑफिस रोड पर मेट्रो कंपनी द्वारा स्टील ब्रिज बनाया जा रहा है। इसके लिए गर्डर लगने के बाद अब पीले रंग का फ्रेम लगा दिया गया है।

मेट्रो कंपनी के अनुसार स्टील ब्रिज के काम की गति बढ़ाई जा रही है, जिससे अब डायवर्सन न लेना पड़े। इस काम के लेट होने से न तो एम्स तक ट्रायल रन हो पा रहा है और न 6वीं नई मेट्रो ट्रेन आ पाएगी। इस काम में देरी होने से भोपाल में कॉमर्शियल रन शुरू नहीं हो पाएगा।

साथ ही भोपाल से पहले इंदौर में सभी मेट्रो ट्रेन पहुंच जाएंगी और वहां कॉमर्शियल रन भी शुरू हो जाएगा। मेट्रो कंपनी ने ठेकेदार को काम की गति बढ़ाने के निर्देश एक बार फिर जारी किए। मेट्रो कंपनी का प्रयास यह है कि जुलाई में स्टील ब्रिज का काम पूरा हो जाए और उसके बाद सुभाष नगर से एम्स तक ट्रायल रन भी शुरू हो सके। इसके बाद कॉमर्शियल रन शुरू करने में तीन माह और लगने की उम्मीद है। साथ ही फेस टू का काम सुभाष नगर से करोंद वाला भी शुरू होना है। इसके लिए कब्जे हटाने जिला प्रशासन को पत्र लिखा जा चुका है।

लोगों की परेशानी कम नहीं हो रही

रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से आरएलएल तिराहे तक ट्रैफिक बंद होने से सबसे ज्यादा परेशानी एक्स व रायसेन रोड से आने वाले लोगों को हो रही है। क्योंकि शक्ति नगर साकेत नगर से जो रास्ता दिया गया है, वहां पर भी मेट्रो का काम चल रहा है। इस कारण बसों व छोटे वाहनों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। इसके अलावा शक्ति नगर व साकेत नगर के लोग भी वहां लग रहे ट्रैफिक जाम से परेशान हैं।

MP METRO NEWS

15th June 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
14	पत्रिका	भोपाल	15.06.2024	II	मेट्रो ट्रेन मे मिलेगा नैशनल फ्रिक्वेन्ट मोबिलिटी कार्ड	Neutral

भोपाल प्राइम BHOPAL PRIME

पत्रिका II
भोपाल, शनिवार 15 जून 2024

मेट्रो ट्रेन में मिलेगा नेशनल फ्रीक्वेंट मोबिलिटी कार्ड

भोपाल. मेट्रो रेल कंपनी लिमिटेड ने अपने वन नेशन-वन कार्ड के तहत नेशनल फ्रीक्वेंट मोबिलिटी कार्ड के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी हैं। इसके लिए एजेंसी चयन अंतिम चरण में हैं। अक्टूबर से ये कार्ड आम यात्रियों के लिए तैयार होंगे। दिसंबर तक मेट्रो का कमर्शियल रन शुरू करना हैं। ऐसे में ये कार्ड बेहद उपयोगी होगा। ये कार्ड मेट्रो सिस्टम के अंदर किराया चुकाने के साथ ही डेबिट कार्ड के तौर पर उपयोग किया जाएगा। इससे बसों, पार्किंग, शॉपिंग, टोल टैक्स और दूसरी सेवाओं के लिए भी भुगतान में भी कर सकेंगे। ऑनलाइन रिटेलर्स की तरह हर लेनदेन पर मनी-बैक इंसेंटिव भी मिलेगा। इस कार्ड का उपयोग करके ऑनलाइन भुगतान और नकद निकासी भी संभव हैं। सभी निजी और सरकारी बैंक इस कार्ड को जारी कर सकेंगे। यह एक संपर्क रहित एटीएम कार्ड की तरह ही काम करेगा। यह वर्चूअल कार्ड होगा।

MP METRO NEWS

16th June 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
15	दैनिक भास्कर	भोपाल	16.06.2024	J6	मेट्रो के दोनों ओर बनेगे बाजार	Neutral

दैनिक भास्कर भोपाल 16-06-2024 Pg-J6

संडे बिग स्टोरी मेट्रो संचालन पर आने वाले खर्च का एस्टीमेट तैयार, जमीन की तलाश शुरू

400 करोड़ सालाना खर्च निकालने के लिए...

मेट्रो के दोनों ओर बनेंगे बाजार

स्थान : सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन के पास

विवेक त्रिवेदी | भोपाल

भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद इसके संचालन पर करीब 400 करोड़ रुपए सालाना खर्च आएगा। इस खर्च को निकालने मेट्रो रूट के दोनों तरफ बाजार व रिहाइशी कॉम्प्लेक्स बनेंगे। मेट्रो रेल कारपोरेशन ने रूट के आसपास ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट (टीओडी) यानी हाई राइज बिल्डिंग्स बनाने का प्लान बनाया है। इसके लिए मेट्रो लाइन के आसपास सरकारी जमीनों की तलाश शुरू हो चुकी है।

मेट्रो स्टेशन के आसपास पहले 500 मी. में पब्लिक यूटिलिटी जैसे पार्किंग स्पेस, साइडवॉक और पब्लिक स्पेस होंगे। ग्रीन बेल्ट भी विकसित होगा। इसके बाद मिक्स्ड लैंडयूज वाले एरिया में ऑफिस, मॉल, रेस्टरिंट जैसे कमर्शियल स्पेस होंगे। इसके बाद हाई डेंसिटी वाला आवासीय क्षेत्र होगा।

टीएंडसीपी से मांगा 5 एफएआर

मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने हाल ही में टीएंडसीपी को अलाइनमेंट प्लान दिया है, जिसमे मेट्रो के आसपास प्रॉपर्टी डेवलपमेंट के लिए 5 एफएआर मांगा है। कारपोरेशन सुभाष नगर, मैदा मिल, एमपी नगर, आरकेएमपी, डीआरएम ऑफिस, करोंद मंडी के पास, कृषि उपज मंडी और डीआईजी बंगले आदि क्षेत्रों में सरकारी जमीन ढूंढ रहा है। उद्देश्य ये कि घर के पास ही बाजार-मॉल, बैंक हों, ऑफिस जाने के लिए 5-7 मिनट चलकर मेट्रो पकड़ सकें।

2018 में बना था टीओडी नियम

साल 2018 में नगरीय प्रशासन विभाग ने टीओडी पालिसी बनाई थी। इसमें 4 एफएआर का प्रावधान था। यानी 1000 स्क्वायर फीट के प्लॉट पर मल्टी स्टोरी की तर्ज पर 4000 स्क्वायर फीट तक निर्माण हो सकता है। इसके साथ टीडीआर रूल्स भी बने थे। यानी सड़क -सरकारी भवन के निर्माण में जमीन गई तो अतिरिक्त एफएआर मिलेगा जिसे टीओडी वाले इलाके में उपयोग कर ऊंचे निर्माण कर सकते हैं।

अब शहर को वर्टिकली बढ़ाना होगा

*भोपाल जैसे शहर में अभी डेवलपमेंट की काफी संभावना है। टीओडी के मॉडल पर शहर को वर्टिकल यानी ऊपर की तरफ बढ़ाना होगा। प्रॉपर्टी डेवलपमेंट से मेट्रो संचालन का खर्चा भी निकलेगा। पब्लिक स्पेस, फुटपाथ और ग्रीनरी भी विकसित होगी। -**सिबी चक्रवर्ती**, एमडी, मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन*

एक्सपर्ट व्यू

डिजाइन सही होना चाहिए

5 एफएआर में 8-10 मंजिला भवन बन सकते हैं। हाई राइज बनाकर डेंसिटी बढ़ाने से पहले देखना होगा कि डिजाइन सही हो ताकि संबंधित क्षेत्र में भीड़भाड़ न हो जाए। जैसा भोपाल स्टेशन के प्लेटफॉर्म 6 वाले क्षेत्र में हुआ। साथ ही इन इलाकों में जो डेवलपर काम करें उन पर नियंत्रण जरूरी होगा, ताकि जनसंख्या के हिसाब से सीवेज आदि सुविधाएं विकसित हों।
-वीपी कुलश्रेष्ठ, सेक्रेटरी जनरल, इंस्टीट्यूट ऑफ टाउनप्लानर्स ऑफ इंडिया

शहर से बाहर होगा कारोबार

ट्रांसपोर्ट नगर की तरह शहर में बसेगा टेंट नगर

भोपाल | राजधानी में ट्रांसपोर्ट नगर की तर्ज पर ही अब टेंट नगर बसाया जाएगा। यह बात महापौर मालती राय ने शनिवार को कही। वे टेंट कारोबारियों की मातृ शक्तियों के समागम कार्यक्रम में शामिल होने पहुंची थीं। टेंट नगर में रियायती दरों पर टेंट कारोबारियों को भूखंड दिए जाएंगे ताकि वे इन पर अपने गोदाम बना सकें। फेडरेशन ऑफ एमपी टेंट एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रिंकू भटेजा ने बताया कि शहर में 1000 से भी ज्यादा टेंट कारोबारी हैं। इनका महीने में 10 करोड़ से ज्यादा का कारोबार होता है।

वर्तमान में अधिकांश के गोदाम रहवासी इलाकों में मौजूद हैं। ऐसे में हमारी गाड़ियां सामान लाने-ले-जाने आती हैं तो रहवासियों को परेशानी होती है। हमें भी नो एंट्री में आने-जाने में परेशानी होती है। ऐसे में अगर शहर के अलग-अलग इलाकों में सरकारी जमीन पर रियायती दरों पर टेंट नगर बसाकर वहां गोदाम बनाए जाएंगे तो न सिर्फ कारोबारियों बल्कि रहवासियों को भी सहूलियत होगी। कार्यक्रम में ऑल इंडिया टेंट डेकोरेटर वेलफेयर एसोसिएशन के कार्यवाहक अध्यक्ष अनिल राव, चीफ पैटर्न मोहन सेठ, मधु सेठ, फेडरेशन अध्यक्ष परमजीत सिंह खनूजा समेत अन्य लोग शामिल हुए।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
16	राज एक्सप्रेस	भोपाल	16.06.2024	3	दिल्ली की तरह भोपाल- इंदौर मेट्रो मे एक ही कार्ड से कर सकेंगे सफर, बचेगा समय	Neutral

राज एक्सप्रेस
रविवार, 16 जून, 2024
सूर्यास्त (रविवार): 07:08
सूर्योदय (सोमवार): 05:34
महानगर
तापमान अधिकतम 39.2° न्यूनतम 27.6°
भोपाल 3
www.rajexpress.com

राज SUNDAY SPECIAL | नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड के लिए सर्विस प्रोवाइडर की तलाश शुरू, ऑटोमैटिक फेयर कलेक्शन सिस्टम भी रहेगा

दिल्ली की तरह भोपाल-इंदौर मेट्रो में एक ही कार्ड से कर सकेंगे सफर, बचेगा समय

भोपाल ■ राज न्यूज नेटवर्क

भोपाल और इंदौर मेट्रो के 57 स्टेशनों पर नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड चलेंगे। इसका मतलब है कि एक ही कार्ड से दोनों शहरों में मेट्रो में सफर किया जा सकेगा। धीरे-धीरे ट्रांसपोर्ट के अन्य जरियों से इस कार्ड को जोड़ा जाएगा। स्टेशनों पर दिल्ली की तरह ऑटोमैटिक फेयर कलेक्शन सिस्टम भी रहेगा। फिलहाल यह सेवाएं मुहैया कराने के लिए वित्तीय संस्थान की तलाश शुरू कर दी गई है। मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने 200 सप्ताह यानि करीब चार साल में सभी 57 मेट्रो स्टेशनों पर मोबिलिटी कार्ड के साथ ही ऑटोमैटिक फेयर कलेक्शन की सुविधा शुरू करने का लक्ष्य रखा है। इसके एक साल बाद तक का समय डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड रहेगा। यानि सिस्टम में कोई भी गड़बड़ी आने पर उसे सुधारने का जिम्मा चयनित वित्तीय संस्थान का रहेगा। इस दौरान मेंटेनेंस भी संभालना होगा। कॉर्पोरेशन ने अभी संस्थानों से ऑफर बुलाए हैं। तकनीकी मूल्यांकन में सफल रही जो भी एजेंसी इस कार्य के लिए सबसे कम राशि का प्रस्ताव देगी, उसे इसका जिम्मा सौंपा जाएगा।

दोनों शहरों में 9 अंडरग्राउंड स्टेशन बनेंगे: पहले चरण में राजधानी में एम्स से करोंद और भदभदा चौराहा से रत्नागिरी तिराहा तक का रूट शामिल किया गया है। एम्स से करोंद का मार्ग 16.74 किमी लंबा होगा। इसमें जमीन के ऊपर 13.35 किमी और भूमिगत हिस्सा 3.39 किमी होगा। अभी सुभाष नगर से करोंद रूट का निर्माण शुरू नहीं हो पाया है। वहीं भदभदा चौराहा से रत्नागिरी तिराहा रूट की लंबाई 14.16 किमी होगी। यह पूरा एलिवेटेड रहेगा। इसके लिए एजेंसी चयन की प्रक्रिया फाइनल स्टेज में है। दोनों रूट पर कुल 28 एलिवेटेड व 2 भूमिगत स्टेशन होंगे। वहीं इंदौर में गांधी नगर से सुपर कॉरिडोर 3 तक 31.32 किमी लंबा रूट बनाया जा रहा है। इस पर 21 स्टेशन जमीन से ऊपर व सात अंडरग्राउंड रहेंगे।

दिल्ली मेट्रो में मोबिलिटी कार्ड का इस्तेमाल, 20 फीसदी तक डिस्काउंट भी

वन नेशन, वन कार्ड के तहत आवास एवं शहरी कार्यों के मंत्रालय ने मार्च, 2019 में नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड की शुरुआत की थी। इसका मकसद देश भर में सीमलेस ट्रांजेक्शन को बढ़ावा देना, समय बचाना और उपयोगकर्ताओं को एक कार्ड से यात्रा, टोल टैक्स व पार्किंग शुल्क के भुगतान करने लायक बनाना है। मेट्रो, उपनगरीय रेल, बस में भी इसका उपयोग किया जा सकता है। इस कार्ड से पैसा निकाला जा सकता है और अन्य खरीदी के लिए भुगतान भी किया जा सकता है। अभी 25 से अधिक बैंक रूपे कार्ड के तौर पर इसे उपलब्ध करा रहे हैं। खास बात यह है कि कार्ड से टैप एंड गो यानि मशीन या स्कैनर के सामने रख कर भुगतान की सुविधा मिलती है। अभी दिल्ली मेट्रो और एयरपोर्ट लाइन में यह कार्ड इस्तेमाल किए जा रहे हैं। वहां कार्डधारकों को दस से 20 फीसदी का डिस्काउंट भी दिया जा रहा है।

अब साढ़े तीन मीटर चौड़े होंगे रेलवे स्टेशनों पर बने एफओबी

भोपाल । भोपाल मंडल के सभी स्टेशन सहित देशभर के स्टेशनों पर पैदल पुल (एफओबी) अब साढ़े 3 मीटर चौड़े किए जाने का निर्णय हाल ही में रेलवे बोर्ड ने लिया है। इसके चलते आने वाले दिनों में भोपाल मंडल के विदिशा, बीना, गुना सहित सभी रेलवे ब्रिज की चौड़ाई में वृद्धि की जाएगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार अक्टूबर से पैदल पुल के चौड़ा करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। करीब दो साल भोपाल स्टेशन के पुराने एफओबी को चौड़ा किया गया था। इसी के आधार पर अब अन्य स्टेशनों के पुराने एफओबी को बिना तोड़े चौड़ा किया जाएगा। रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि स्टेशनों पर हर साल करीब 5 फीसदी भीड़ बढ़ रही है। इस लिहाज से 1.8 मीटर चौड़े पुलों में भीड़ ज्यादा हो जाती है। यह सेफ्टी के लिहाज से ठीक नहीं है। ज्यादा भीड़ में भगदड़ की आशंका रहती है। इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों ने बताया कि नई टेक्नोलॉजी में ज्यादा लोड लेने वाले पुल बनाए जा रहे हैं। लिहाजा पुल की चौड़ाई बढ़ाना आसान हो गया है। जिन स्टेशनों पर पहले से 1.8 मीटर के एफओबी बने हैं, वहां यात्री बढ़ने के बाद अब एफओबी की चौड़ाई बढ़ाई जानी है। नए निर्णय के अनुसार अब 3.5 मीटर चौड़ा एफओबी बनने के बाद कई सालों तक दूसरे पुल की नौबत नहीं आएगी। इससे एक समय में लगभग दोगुने यात्री निकल सकेंगे। नए एफओबी में विकलांगों व वृद्धजनों के लिए करीब एक मीटर चौड़ा रैम्प भी बनाया जाएगा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
17	पत्रिका	भोपाल	16.06.2024	04	मेट्रो नेटवर्क के साथ होगा शहर का विकास, बनेगी योजना	Neutral

पत्रिका {भोपाल प्राइम}
BHOPAL PRIME
पत्रिका भोपाल, रविवार 16 जून 2024 SUNDAY 04
Patrika.com

मेट्रो मोबिलिटी प्लान पर बैठक

मेट्रो नेटवर्क के साथ होगा अब शहर का विकास,बनेगी योजना

भोपाल. मेट्रो ट्रेन कमर्शियल रन से पहले मेट्रो रेल कारपोरेशन यात्रियों की मेट्रो स्टेशन तक आसान पहुंच के लिए मल्टीमॉडल इंटीग्रेशन विकसित करेगा। इसके साथ के मेट्रो लाइन-नेटवर्क के आसपास विकास का अपना अलग प्लान भी तैयार करेगा। कोशिश की जाएगी कि अब शहर का विकास सड़कों की बजाय मेट्रो नेटवर्क के साथ में हो। इसे लेकर एमडी सीबी चक्रवर्ती ने संबंधित अफसरों व कंसलटेंट से बैठक की। बकायदा पूरा प्रजेंटेशन कराया गया। इसमें स्पष्ट किया गया है कि मेट्रो ट्रेन के कमर्शियल रन से पहले शहर के प्रमुख हिस्सों को मेट्रो स्टेशन, नेटवर्क से जोड़ना होगा, ताकि लोग आसानी से यहां पहुंचे और यात्रा कर सके। प्रजेंटेशन में बताया गया कि मेट्रो लाइन से 300 मीटर तक ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट के तहत हाइराइज भवनों को बनाने का रास्ता खोला जाएगा। इसमें मेट्रो का भी शेयर होगा। मेट्रो कारपोरेशन इसे अपनी कमाई का एक बड़ा जरिया मान रहा है। यहां टीओडी आधारित अतिरिक्त एफएआर की राह खोली जाएगी। यानि यहां ऊंची इमारत तो बनाई जा सकेगी, लेकिन इसके लिएटीओडी सर्टिफिकेट से अधिकार खरीदने होंगे।

MP METRO NEWS

20th June 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
18	पत्रिका	भोपाल	20.06.2024	02	मेट्रो प्रोजेक्ट की रफ्तार तेज: स्टील ब्रिज के 65 मीटर हिस्से के 26 फाउंडेशन पूरे	Positive

BHOPAL PRIME
भोपाल प्राइम

पत्रिका
भोपाल, गुरुवार, 20 जून 2024 02

जुलाई के पहले सप्ताह में ब्रिज को रेलवे लाइन पर किया जाएगा स्थापित

मेट्रो प्रोजेक्ट की रफ्तार तेज : स्टील ब्रिज के 65 मीटर हिस्से के 26 फाउंडेशन पूरे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट के तहत गणेश मंदिर से डीआरएम की ओर बनाए जा रहे 113 मीटर लंबे स्टील के ओवरब्रिज का रेलवे लाइन वाला हिस्सा लगभग तैयार है। 420 टन स्टील में से 60 फीसदी को असेंबल कर दिया है। इसके 26 फाउंडेशन पूरे हो गए हैं। जुलाई पहले सप्ताह में ब्रिज को खींचकर रेलवे लाइन पर स्थापित किया जाएगा। इसके बाद रोड के 48 मीटर लंबे स्टील ब्रिज का निर्माण होगा। पूरा ब्रिज तैयार होने में सितंबर 2024 तक की समय सीमा तय की गई है। राजस्थान के अलवर से अलग अलग भाग में ब्रिज को भोपाल लाया था। इसके लिए मार्च 2024 से डीआरएम की ओर वाली रोड पर डायवर्जन लिया है।

ऐसे हैं गर्डर

हबीबगंज नाका गर्डर
- 48 मीटर लंबाई
- 08 मीटर चौड़ाई
- 226 मिट्रिक टन वजन

रेलवे लाइन का गर्डर
- 65 मीटर लंबाई
- 15 मीटर चौड़ाई
- 420 मिट्रिक टन

दो माह में जिंसी टिंबर मार्केट किया जाएगा शिफ्ट

सुभाष स्टेशन से आगे बढ़ाने जिंसी-पुल बोगदा के टिंबर मार्केट को शिफ्ट किया जाना है। प्रशासन ने इसके लिए अधिकतम दो माह का समय तय किया है। इस दौरान व्यापारियों से चर्चा कर प्रशासन स्तर पर जगह खाली कराई जाएगी, ताकि यहां मेट्रो का काम आगे बढ़ सके। एसडीएम स्तर पर इसे लेकर बैठक में यह तय किया गया।

MP METRO NEWS

21st June 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
19	नव दुनिया	भोपाल	21.06.2024	02	भोपाल मेट्रो के लिए बनाए जा रहे 103 मीटर के दो स्टील ब्रिज	Neutral

एक ब्रिज का ढांचा 70 प्रतिशत पूरा, दिल्ली मेट्रो जैसी है डिजाइन

भोपाल मेट्रो के लिए बनाए जा रहे 103 मीटर के दो स्टील ब्रिज

भोपाल मेट्रो को रफ्तार देने के लिए रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के पास 103 मीटर का स्टील ब्रिज बनाया जा रहा है। ● नवदुनिया

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः शहर में मेट्रो के लिए 103 मीटर के दो स्टील ब्रिज बनाए जा रहे हैं। इनमें से एक का ढांचा लगभग 70 प्रतिशत पूरा हो चुका है। दूसरा ब्रिज रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के पास बनाया जाएगा। इसके लिए मेट्रो रेल कार्पोरेशन ने ब्लाक के लिए रेलवे को पत्र लिखा है। उम्मीद है कि जुलाई तक ब्लाक मिल सकता है। इसके बाद दोनों ब्रिज पिलर के ऊपर रख दिए जाएंगे।

अधिकारियों का कहना है कि उनकी पूरी तैयारी है। जैसे ही ब्लाक मिलेगा, काम शुरू कर देंगे। ब्रिज राजस्थान के अलवर में बनाए गए हैं। ये दिल्ली मेट्रो जैसे ही डिजाइन किए गए हैं। बता दें कि जनवरी-फरवरी में ब्रिज के पार्ट्स अलवर से भोपाल आ गए थे, जिन्हें मार्च में लगाना करना शुरू किया गया। मार्च में काम की शुरुआत की गई। साढ़े तीन महीने से रास्ता भी डायवर्ट किया गया है। दूसरी ओर, डीआरएम आफिस तिराहे की सड़क के ऊपर ब्रिज के पार्ट्स लगाए जा रहे हैं।

ऐसे होंगे दोनों ब्रिज

ब्रिज एक : रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से डीआरएम आफिस के बीच रेलवे लाइन है, इसलिए 65 मीटर लंबा स्टील ब्रिज बनाया जा रहा है। दोनों ओर पिलर खड़े हो चुके हैं। रेलवे के ब्लाक के बाद इन पर ब्रिज को रखा जाएगा। ब्रिज की चौड़ाई 15 मीटर है, ऊंचाई 14 मीटर रहेगी, ताकि नीचे ट्रेनें गुजर सकें।

ब्रिज दो : रेलवे क्रासिंग के बाद दूसरा ब्रिज डीआरएम आफिस चौराहे पर बन रहा है। इसकी लंबाई 48 मीटर और चौड़ाई आठ मीटर रहेगी। यह भी 14 मीटर ऊंचा रहेगा। ब्रिज बनने के बाद नीचे से गाड़ियां निकलेंगी तो ऊपर मेट्रो गुजरेगी। इस ब्रिज का ढांचा बनकर तैयार हो गया है।

रेलवे तय करेगा ब्लाक का समय

मेट्रो रेल कार्पोरेशन के अधिकारियों का कहना है कि पिलर तैयार हो चुके हैं। इनके ऊपर ही स्टील ब्रिज को रखा जाएगा। इसमें तीन से चार घंटे लगेंगे। ऐसे में ट्रैक से ट्रेनें नहीं गुजर सकेंगी। इसलिए रेलवे ब्लाक का समय तय करेगा। ऐसे में कई ट्रेनें प्रभावित होंगी।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
20	दैनिक जागरण	भोपाल	21.06.2024	05	भोपाल मेट्रो के लिए तैयार हो रहे दो स्टील ब्रिज, एक का स्ट्रक्चर पूरा	Neutral

प्रोजेक्ट | रेलवे ट्रैक पर बिछने वाले ब्रिज के लिए ब्लॉक मांगा, 103 मीटर है दोनों की लंबाई

भोपाल मेट्रो के लिए तैयार हो रहे दो स्टील ब्रिज, एक का स्ट्रक्चर पूरा

जागरण, भोपाल। भोपाल में मेट्रो के लिए 103 मीटर के दो स्टील ब्रिज बनाए जा रहे हैं। इनमें से एक का स्ट्रक्चर 70 प्रतिशत तक पूरा हो गया है। दूसरा ब्रिज रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक के ऊपर से गुजरेगा। इसके लिए मेट्रो कॉर्पोरेशन ने ब्लॉक के लिए रेलवे को लेटर लिखा है। जुलाई में ब्लॉक मिल सकता है। इसके बाद दोनों ब्रिज पिलर के ऊपर रख दिए जाएंगे। मेट्रो अफसरों का कहना है कि उनकी पूरी तैयारी है। जैसे ही ब्लॉक मिलेगा, काम शुरू कर देंगे। ब्रिज राजस्थान के अलवर में बने हैं। ये दिल्ली मेट्रो जैसे ही डिजाइन किए गए हैं। बता दें कि जनवरी-फरवरी में ब्रिज के पार्ट्स अलवर से भोपाल आ गए थे। जिन्हें मार्च में असेंबल करना शुरू किया गया। मार्च में काम की शुरुआत की गई। साढ़े 3 महीने से रास्ता भी डायवर्ट किया गया है। दूसरी ओर, डीआरएम ऑफिस तिराहे की सड़क के ऊपर ब्रिज के पार्ट्स असेंबल किए जा रहे हैं।

रेलवे तय करेगा ब्लॉक का शेड्यूल

मेट्रो कॉर्पोरेशन के अफसरों का कहना है कि पिलर तैयार हो चुके हैं। इनके ऊपर ही स्टील ब्रिज को रखा जाएगा। इसमें 3 से 4 घंटे लगेंगे। ऐसे में ट्रैक से ट्रेनें नहीं गुजर सकेंगी। इसलिए रेलवे ब्लॉक का शेड्यूल तय करेगा। ऐसे में कई ट्रेनें प्रभावित होंगी। लेटर लिखने के बाद शेड्यूल तय होने का इंतजार कर रहे हैं। उधर, रेलवे ने भी ब्लॉक के लिए वरिष्ठ कार्यालय को पत्र लिखा है।

इतने लंबे-चौड़े स्टील ब्रिज...

ब्रिज-1 रेलवे ट्रैक पर 65 मीटर लंबा ब्रिज आरकेएमपी से डीआरएम ऑफिस के बीच रेलवे लाइन है, इसलिए 65 मीटर लंबा स्टील ब्रिज असेंबल हो रहा है। दोनों ओर पिलर खड़े हो चुके हैं। रेलवे के ब्लॉक के बाद इन्हें ब्रिज को रखा जाएगा। ब्रिज की चौड़ाई 15 मीटर है, जबकि ऊंचाई 14 मीटर रहेगी। ताकि, नीचे ट्रेनें आसानी से गुजर सके।

ब्रिज-2 डीआरएम चौराहा रेलवे क्रॉसिंग के बाद दूसरा ब्रिज डीआरएम ऑफिस चौराहे पर बन रहा है। इसकी लंबाई 48 मीटर और चौड़ाई 8 मीटर रहेगी। यह भी 14 मीटर ऊंचा रहेगा। ब्रिज बनने के बाद नीचे गाड़ियां निकलेंगी तो ऊपर मेट्रो गुजरेगी। इस ब्रिज का स्ट्रक्चर बनकर कम्पलीट हो चुका है।

MP METRO NEWS

22nd June 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
21	पत्रिका	भोपाल	22.06.2024	10	इंदौर-भोपाल मेट्रो में लगें मेड इन इंडिया प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर	Neutral

मध्यप्रदेश MADHYAPRADESH | 10 | पत्रिका
भोपाल, शनिवार, 22 जून 2024

देश में पहली बार... | सिस्टम में एडवांस फीचर्स और आधुनिक सुरक्षा प्रणाली का उपयोग

इंदौर-भोपाल मेट्रो में लगेंगे मेड इन इंडिया प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर

ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच अवरोधक का काम करेंगे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. भोपाल और इंदौर मेट्रो में मेड इन इंडिया प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर (पीएसडी) लगाए जाएंगे। अब तक देश के अन्य शहरों में शुरू हुई मेट्रो में पीएसडी यूरोप से खरीदे जाते थे। इंदौर-भोपाल मेट्रो के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड कंपनी पहली बार पीएसडी तैयार करेगी। इस सिस्टम में कई एडवांस फीचर्स और आधुनिक सुरक्षा प्रणाली का उपयोग किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य यात्रियों को ट्रैक से दूर रखना होगा।

यात्रियों की सुरक्षा...

इंदौर-भोपाल मेट्रो अन्य शहरों से अलग थर्ड पर चलेगी। ट्रैक के पास ही बिजली के लिए थर्ड रेल लगाई जाएगी। इससे ट्रैक पर भी करंट दौड़ेगा, जो यात्रियों के लिए जोखिम भरा हो सकता है, इसलिए प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर लगाए जाएंगे। इससे ट्रैक पर आत्मघाती कदम उठाने वालों पर भी रोक लगेगी। साथ ही किसी भी व्यक्ति के ट्रैक पर गिरने या चलती ट्रेन की चपेट में आने का जोखिम भी नहीं होगा। अमूमन ये दरवाजे केवल एयरपोर्ट या एक्सप्रेस लाइन पर ही लगाए जाते हैं। पीएसडी मेट्रो डोर ट्रैक और प्लेटफॉर्म के बीच कांच की दीवार के रूप में बैरियर का काम करती है। इसी में लगे दरवाजे मेट्रो ट्रेन के आने पर खुलते और बंद होते हैं।

एडवांस फीचर्स

पीएसडी सिस्टम में कई एडवांस फीचर्स और आधुनिक सुरक्षा प्रणाली होगी। जैसे ऑटोमेटिक स्लाइडिंग डोर (एएसडी), इमरजेंसी एग्जिट डोर (ईईडी), प्लेटफॉर्म एंड डोर (पीईडी), इमरजेंसी एस्केप डोर (ईईडी), प्लेटफॉर्म पर्यवेक्षण बूथ और अलार्म टर्मिनल, एचएमआइ (चालक हेतु सूचना उपकरण), इमरजेंसी-की बॉक्स।

पीएसडी गेट से नियंत्रित होगा वेंटिलेशन

मेट्रो की गति तेज होती है। कई बार मेट्रो के स्टेशन पर पहुंचने से हवा के झोंके महसूस होते हैं, इससे प्लेटफॉर्म पर खड़े यात्री असंतुलित महसूस करते हैं। तेज रफ्तार से गुजरने के कारण हवा के तेज झोंके से तापमान में अचानक बदलाव नहीं होगा। इससे एसी के इस्तेमाल में कम बिजली की जरूरत होगी। वेंटिलेशन को भी नियंत्रित किया जा सकेगा। पीएसडी गेट से ध्वनि प्रदूषण कम होगा। इससे यात्री प्लेटफॉर्म पर होने वाली घोषणाएं आसानी से सुन पाएंगे।

MP METRO NEWS

23nd June 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
22	पीपुल्स समाचार	भोपाल	23.06.2024	01	इंदौर और उज्जैन के बीच चलेगी मेट्रो ट्रेन, बड़े शहरों में बनें ट्रैफिक प्लान	Neutral

पीपुल्स समाचार
बदलते जमाने का अखबार

न्यूज़ पोर्टल | राष्ट्रीय | अंतर्राष्ट्रीय | प्रादेशिक | खेल | व्यापार

भोपाल सिटी June 23, 2024 Pg-01

इंदौर और उज्जैन के बीच चलेगी मेट्रो ट्रेन, बड़े शहरों में बनेंगे ट्रैफिक प्लान

मुख्यमंत्री ने मेट्रो प्रोजेक्ट की प्रगति को लेकर बैठक में दिए निर्देश

पीपुल्स ब्यूरो ● भोपाल
मो.नं. 9425174141

इंदौर और उज्जैन के बीच मेट्रो ट्रेन चलाई जाएगी जो सिंहस्थ 2028 में श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक होगी। इन शहरों के बीच मेट्रो चलाने से संबंधित फिजिबिलिटी सर्वे की रिपोर्ट आ चुकी है। आने वाले समय में इंदौर एयरपोर्ट से महाकाल मंदिर तक वंदे मेट्रो की सौगात भी मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को सीएम निवास कार्यालय में भोपाल-इंदौर मेट्रो प्रोजेक्ट की समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि भोपाल में एम्स से करोंद चौराहे तक 16.74 किलोमीटर की लंबाई में मेट्रो की लाइन तीन चरणों में तैयार होगी। प्रथम चरण सात किलोमीटर का है, जिसमें 8 स्टेशन (एलिवेटेड) शामिल हैं। इंदौर मेट्रो में 31.32 किलोमीटर में कार्य हो रहा है। इंदौर में कुल 28 स्टेशन बनेंगे। गौरतलब है कि भोपाल में एम्स से सुभाष नगर तक के रूट का काम तेजी से चल रहा है।

रोप-वे, केबल-कार जैसे साधनों पर भी चर्चा

सीएम ने कहा कि भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन में मेट्रो के साथ वंदे मेट्रो, रोप-वे, इलेक्ट्रिक-बस और केबल-कार जैसे साधनों का उपयोग किया जाएगा। यातायात के विकल्पों के उपयोग के अंतर्गत उज्जैन से ओंकारेश्वर रूट, भोपाल से इंदौर, जबलपुर से ग्वालियर के लिए भी विचार कर जरूरी निर्णय लिए जाएंगे।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
23	हरि भूमि	भोपाल	23.06.2024	1&6	इंदौर व उज्जैन के बीच शुरू होगा मेट्रो मेट्रो ट्रेन संचालन पुरानी मेट्रो के स्थान पर वैदे मेट्रो सर्किल ट्रेन चलेगी	Neutral

भोपाल
रविवार, 23 जून 2024
आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष-1/2
वर्ष : 11, अंक : 90
पृष्ठ : 14 मूल्य : 4.00 **

मौसम
अधि. 34
न्यून. 25

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

Pg-1&6

haribhoomi.com

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि रेल मंत्री वैष्णव ने दी सहमति

इंदौर व उज्जैन के बीच शुरू होगा मेट्रो ट्रेन संचालन पुरानी मेट्रो के स्थान पर वंदे मेट्रो सर्किल ट्रेन चलेगी

प्रदेश के बड़े नगरों के लिए जनप्रतिनिधियों की सहमति से लागू होंगे ट्रैफिक प्लान

भोपाल में एक्स से करोंद चौराहे तक कुल 16.74 किमी की लंबाई में मेट्रो की लाइन तैयार करने का कार्य तीन चरणों में पूरा होगा। प्रथम चरण सात किमी का है, जिसमें 8 स्टेशन (एलिवेटेड) शामिल है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र के बड़े नगरों के लिए नए ट्रैफिक प्लान की जरूरत को देखते हुए सरकार महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रही है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण इंदौर व उज्जैन के बीच मेट्रो ट्रेन के संचालन का निर्णय शामिल है। यह सिंहस्थ 2028 में श्रद्धालुओं के आवाजाही की सुविधा की दृष्टि से भी उपयोगी होगा। आने वाले समय में इंदौर एयरपोर्ट से महाकाल मंदिर तक वंदे मेट्रो की सुविधा प्रदेशवासियों और देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं के लिए एक अहम सौगात होगी। इसके साथ ही विभिन्न शहरों के लिए वंदे मेट्रो चलाने पर भी सहमति हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यह बात शनिवार को मुख्यमंत्री निवास ▶▶ शेष पेज 6 पर

इंदौर-उज्जैन के बीच मेट्रो चलाने का फिजिबिलिटी सर्वे कराया गया

मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदौर-उज्जैन के बीच मेट्रो चलाने से संबंधित फिजिबिलिटी सर्वे की रिपोर्ट प्राप्त हुई है। इंदौर मेट्रो को प्रगति पर भी खताया गया कि कुल 31.32 किमी में कार्य हो रहा है। इंदौर में कुल 28 स्टेशन बनेंगे। विभिन्न शहर परस्पर बेहतर ढंग से इससे जुड़ सकेंगे। भोपाल में एक्स से करोंद चौराहे तक कुल 16.74 किमी की लंबाई में मेट्रो की लाइन तैयार करने का कार्य तीन चरणों में पूरा होगा। प्रथम चरण सात किमी का है, जिसमें 8 स्टेशन (एलिवेटेड) शामिल हैं।

मेट्रो ट्रेन की स्पीड से अधिक स्पीड से चलेंगी वंदे मेट्रो

यादव ने कहा कि रेल मंत्री से मेट्रो ट्रेन की स्पीड से अधिक स्पीड से चलने वाली वंदे मेट्रो के संचालन, अत्याधुनिक तकनीक के प्रयोग और पीथमपुर-देवास जैसे औद्योगिक क्षेत्रों को लामान्वित करने के संबंध में भी चर्चा हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में कुछ नगरों में उपलब्ध नैरो-गेज एवं अन्य रेल लाइन का उपयोग करने के संबंध में कहा कि इसका सर्वे एवं अध्ययन पूर्ण किया जाए ताकि वर्तमान में उपयोग में नहीं आ रहे रेल ट्रेक का उपयोग किया जा सके।

इंदौर व उज्जैन...

कार्यालय स्थित समत्व भवन में अधिकारियों की बैठक में कही। उन्होंने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ हाल ही में हुई चर्चा के अनुसार मप्र में विभिन्न शहरों के लिए वंदे मेट्रो चलाने पर सहमति के बारे में खत की। बैठक में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, एसीएस मुख्यमंत्री डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री संजय कुमार शुक्ला, प्रमुख सचिव नगरीय प्रशासन विभाग नीरज मंडलोई और मप्र मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड के अधिकारी मौजूद थे।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
24	दैनिक जागरण	भोपाल	23.06.2024	12	2027 तक पूरा होगा मेट्रो का काम, साल के अंत तक प्रॉयोरिटी कॉरिडोर पर दौड़ेगी	Neutral

www.djmp.in/epaper
दैनिक जागरण
विविध SUNDAY भोपाल, 23 जून, 2024
12

2027 तक पूरा होगा मेट्रो का काम, साल के अंत तक प्रॉयोरिटी कॉरिडोर पर दौड़ेगी

जागरण प्रतिनिधि, भोपाल। भोपाल और इंदौर में 2027 तक मेट्रो का काम पूरा हो जाएगा और ट्रेनें दौड़ने लगेंगी। मुख्यमंत्री निवास पर हुई समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने सीएम डॉ. मोहन यादव के सामने ये दावा किया है। शनिवार को सीएम यादव ने भोपाल और इंदौर मेट्रो का रिव्यू किया। उन्होंने अब तक हुए काम का प्रजेंटेशन देखा और प्रोजेक्ट के अगले कामों पर मंत्री-अफसरों से चर्चा की। भोपाल में दो लाइन (ब्लू लाइन और ऑरेंज लाइन) पर काम होना है। इसमें से फिलहाल ऑरेंज लाइन के प्रॉयोरिटी कॉरिडोर यानी एम्स से लेकर सुभाष नगर तक काम चल रहा है। जो कि 80 से 90 फीसदी तक पूरा हो गया है। इसी लाइन का दूसरा चरण सुभाष नगर से करोंद चौराहे तक होगा, जिस पर जल्द ही काम शुरू होगा। वहीं इंदौर में कुल 40 फीसदी काम पूरा होने का दावा किया जा रहा है। मीटिंग मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में हुई। मीटिंग में नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, राज्यमंत्री प्रतिभा बागरी, मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के एमडी सीबी चक्रवर्ती समेत भोपाल और इंदौर के अफसर शामिल हुए। मीटिंग में इंदौर मेट्रो को लेकर भी चर्चा हुई। यहां 17 किलोमीटर का कार्य ही रहा है।

इंदौर-उज्जैन के बीच चलेगी मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के बड़े नगरों के लिए नए ट्रैफिक प्लान की जरूरत को देखते हुए राज्य सरकार महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रही है। इस दिशा में सबसे महत्वपूर्ण इंदौर-उज्जैन के मध्य मेट्रो ट्रेन के संचालन का निर्णय शामिल है, जो सिंहस्थ 2028 में श्रद्धालुओं के लिए आवाजाही की सुविधा की दृष्टि से भी उपयोगी होगा। इंदौर-उज्जैन के मध्य मेट्रो चलाने से संबंधित फिजिबिलिटी सर्वे की रिपोर्ट प्राप्त हुई है। आने वाले समय में इंदौर एयरपोर्ट से महाकाल मंदिर तक वंदे मेट्रो की सुविधा प्रदेशवासियों और देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं के लिए एक अहम सौगात होगी।

राजधानी में इसी साल शुरू हो सकती है मेट्रो

राजधानी भोपाल में प्रॉयोरिटी कॉरिडोर पर 2024 के अंत तक मेट्रो चलाई जा सकती है। रानी कमलापति स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक क्रॉसिंग और नेशनल हाइवे की क्रॉसिंग के लिए 2 स्टील ब्रिज का काम जारी है। जिसके बाद प्रॉयोरिटी कॉरिडोर में ट्रैक का काम पूरा हो जाएगा। दूसरी तरफ इस कॉरिडोर में बनाए जाने वाले स्टेशनों का काम भी जल्द ही पूरा सकता है। भोपाल मेट्रो के अधिकारियों का कहना हैं कि साल के अंत तक इस कॉरिडोर में ट्रैन दौड़ने लगेगी, सरकार कमर्शियल रन भी शुरू कर सकती है।

भोपाल में होगी दो लाइन

राजधानी में कुल 30.95 किलोमीटर के ट्रैक पर 27 मेट्रो ट्रेनें दौड़ेंगी। इसमें ऑरेंज लाइन यानी एम्स से करोंद चौराहे तक में कुल 16 स्टेशन बनेंगे, जिसमें 14 एलीवेटेड और 02 भूमिगत होंगे। ब्लू लाइन भदभदा चौराहे से रत्नागिरी तिराहा लंबाई 14.21 किलोमीटर होगी, इसमें कुल 14 एलीवेटेड स्टेशन बनेंगे। वर्तमान में सुभाष नगर से करोंद चौराहा 9.74 किलोमीटर का काम शुरु किया जाना है। सुभाष नगर में संयुक्त मेट्रो रेल डिपो और दोनों लाइन के मध्य पुल बोगदा एक इंटरचेंज स्टेशन का काम शुरु हो गया है।

सुभाष नगर से एम्स तक 80 से 90 फीसदी काम पूरा

रेलवे ट्रैक और मेन रोड पर बन रहे दो स्टील ब्रिज

भोपाल में मेट्रो के लिए 103 मीटर लंबे दो स्टील ब्रिज बनाए जा रहे हैं। डीआरएम ऑफिस में पहले 48 मीटर लंबे ब्रिज का काम पिछले तीन महीने से चल रहा है। 65 मीटर लंबा दूसरा ब्रिज रेलवे ट्रैक के ऊपर से गुजरेगा। इसके लिए रेलवे से अप्रूवल अभी नहीं मिली है। दूसरी ओर, सड़क के ऊपर जो ब्रिज बनना है, उसका स्ट्रक्चर पूरा हो गया है। ये ब्रिज राजस्थान के अलवर में बने हैं। ये दिल्ली मेट्रो जैसे ही डिजाइन किए गए हैं।

भोपाल में अब तक 5 मेट्रो आईं

गुजरात के सांवली (बड़ोदरा) से भोपाल में कुल 5 मेट्रो आ चुकी हैं। इनका 80 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से स्पीड ट्रायल भी हो चुका है। हर दिन मेट्रो को ट्रैक पर दौड़ाया जा रहा है।

नेता प्रतिपक्ष ने उठाए सवाल

इधर, बैठक से पहले नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने दोनों शहरों में मेट्रो ट्रैल शुरू होने की तारीख पूछी। बयान जारी कर कहा- मुख्यमंत्री ने कई बार मेट्रो की समीक्षा की होगी। इससे पहले शिवराज सिंह ने भी की थी। लेकिन, कब शुरुआत होगी कमलनाथ ने इसका शिलान्यास किया था। इतना समय बीतने के बाद भी इंदौर, भोपाल की जनता को मेट्रो की शुरुआत नहीं हुई। मैं मुख्यमंत्री मोहन यादव से कहना चाहता हूं कि आप बैठकें तो कर रहे हैं लेकिन, आप तारीख निश्चित करें कि ये कब चालू होगी। ऐसा ना हो कि आप शिवराज जैसी घोषणाएं करते रहें, और आप भी घोषणावीर हो जाएं।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
25	The Free Press Journal	Bhopal	23.06.2024	01&06	Indore- Ujjain Metro by 2027, gets CM nod	Neutral

Pg-01&06

VOL. 14 NO. 9 | BHOPAL | SUNDAY | JUNE 23, 2024 | PAGES 16 ₹4 FOR THE PEOPLE ❐ Regd. No. Indore MP/ICD 216/2024-2026 ❐ RNI No. mpeng/2010/35815

FREE PRESS

Indore-Ujjain Metro by 2027, gets CM nod

Reviews Metro project of Bhopal & Indore; Vande Metro also on cards in big cities of the state

OUR STAFF REPORTER
CITY.BHOPAL@FPJ.CO.IN

Metro train will be started between Indore and Ujjain. Chief Minister Mohan Yadav has given his nod to the project during the review meeting of Bhopal and Indore Metro projects on Saturday. The Indore-Ujjain Metro train would prove very useful for pilgrims during Simhasta 2028.

CM said that feasibility report has been received in connection with Indore-Ujjain Metro train project. As far as Bhopal Metro project is concerned, the work of laying total 16.74 km long metro line, from AIIMS till Karond Square will be done in three phases. The first phase is of 7 km which covers eight elevated stations. It was informed in the meeting that Indore Metro work is goin on and work of 31.32 km metro line is being laid. Total 28 metro stations will be constructed in Indore.

Speaking about the smooth traffic arrangement for big cities, he said that along with metro train facility in Bhopal, Indore, Gwalior, Jabalpur and Ujjain, Vande Metro train, ropeway, electric bus and cable car like facilities will also be used. In the coming time, Vande Metro facility from Indore airport to Mahakal temple will provide huge relief to pilgrims.

Contd. on P6

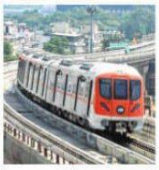

Bhopal Metro by 2027

It was informed in the meeting Bhopal Metro project will be completed by 2027. By year 2031, around 4.5 lakh people will commute in Metro train per day. Meanwhile, 40 % work of Indore Metro work has been completed.

Indore-Ujjain ...

Chief Minister Mohan Yadav informed that in the recent discussion with Union Rail Minister Ashwini Vaishnaw, consent was received to run Vande Metro in different cities of the state. The discussion with Vaishnaw was focused on operation of Vande Metro train and to provide benefit to industrial areas like Dewas and Pithampur. Vande Metro runs at higher speed than the metro train. It uses railway track of common trains.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
26	राज एक्स्प्रेस	भोपाल	23.06.2024	12	सिंहस्थ के पहले इंदौर से उज्जैन के बीच दौड़ेगी मेट्रो	Neutral

विविध

राज एक्सप्रेस
www.rajexpress.com
रविवार, 23 जून, 2024

सिंहस्थ के पहले इंदौर से उज्जैन के बीच दौड़ेगी मेट्रो

भोपाल, (प्रसं)। प्रदेश में पहली बार दो बड़े शहरों के बीच मेट्रो चलाई जाएगी। यह इंदौर से उज्जैन के बीच चलेगी। वर्ष 2028 में होने वाले सिंहस्थ के पहले इसका संचालन शुरू करने का टारगेट रखा गया है ताकि श्रद्धालुओं और देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को आवाजाही में आसानी हो। साथ ही इंदौर के निर्माणाधीन व प्रस्तावित मेट्रो रूट के लिए कुछ दिन पहले बैठक में जनसंगठनों और जनप्रतिनिधियों ने जो सुझाव दिए थे, उन पर भी अमल किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में शनिवार को भोपाल-इंदौर मेट्रो की समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया गया। नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की मौजूदगी में सीएम ने कहा कि प्रदेश के बड़े शहरों के लिए नए ट्रेफिक प्लान की जरूरत को देखते हुए राज्य सरकार महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रही है। इंदौर-उज्जैन मेट्रो की फिजिबिलिटी रिपोर्ट मिली है। इंदौर एयरपोर्ट से महाकाल मंदिर तक वंदे मेट्रो की सुविधा दी जाएगी।

सीएम की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया फैसला

बैठक में बताया गया कि भोपाल में सुभाष नगर से करोंद चौराहा रूट की लंबाई 9.74 किमी रहेगी। इसके एलिवेटेड व अंडरग्राउंड हिस्से के निर्माण के लिए करार किया जा चुका है। जल्द काम शुरू होगा। वहीं दूसरा रूट भदभदा चौराहा से रत्नागिरी तिराहा तक 14.21 किमी का है। इसके सिविल वर्क के लिए जल्द अनुबंध किया जाएगा। मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों ने बताया कि भदभदा चौराहा से रत्नागिरी तिराहा और सुभाष नगर से करोंद रूट वर्ष 2027 तक कॉमर्शियल रन के लिए तैयार हो सकेगा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
27	पत्रिका	भोपाल	23.06.2024	03	इसी साल भोपाल-इंदौर होंगे मेट्रो पर सवार	Neutral

ड्रोन फोटो: रजत शर्मा

यह भी खास

- इंदौर में मेट्रो का 40% काम हो चुका।
- **भोपाल में 27 और इंदौर में 25 ट्रेनें चलेंगी।**
- भोपाल में एम्स से करोंद चौराहे तक 16.74 किमी लंबे ट्रैक का काम तीन चरणों में पूरा होगा।
- **पहला चरण 7 किमी हैं। इसमें 8 स्टेशन (एलिवेटेड) सुभाष नगर से पुल बोगदा जंक्शन और करोंद तक।**
- 1544 करोड़ रुपए की ऑरेंज लाइन भोपाल में
- **2027 तक पूरा करना है ऑरेंज लाइन का दूसरा चरण**
- 3.39 किमी लंबी अंडरग्राउंड लाइन
- **इंदौर में 31.32 किमी में काम चल रहा है। यहां 28 स्टेशन बनेंग।**
- 6.22 किमी के सुभाष ब्रिज से एम्स तक प्रॉयोरिटी कॉरीडोर का काम जारी

मुख्यमंत्री ने की समीक्षा: पांच बड़े शहरों में नया ट्रैफिक प्लान भी

इसी साल भोपाल-इंदौर होंगे मेट्रो पर सवार

- भोपाल में सुभाष नगर से रानी कमलापति के बीच 3.5 किलोमीटर में दौड़ेगी मेट्रो
- इंदौर में गांधी नगर से सुपर कॉरिडोर के बीच 6 किमी ट्रैक पर शुरू होगा सफर

सिंहस्थ से पहले इंदौर और उज्जैन के बीच वंदे मेट्रो ट्रेन

उज्जैन से ओंकारेश्वर, भोपाल से इंदौर, जबलपुर से ग्वालियर के लिए आवागमन आसान बनाने की तैयारी

केबल कार और रोप-वे चलाने की भी योजना

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. राजधानी भोपाल और इंदौर में मेट्रो का सफर इस साल अंत तक शुरू हो जाएगा। पहले चरण में भोपाल में सुभाष नगर से रानी कमलापति तक 3.5 किमी और इंदौर में गांधी नगर से सुपर कॉरिडोर-3 तक 6 किमी लंबे ट्रैक पर मेट्रो दौड़ेगी। हालांकि दोनों शहरों में पूरा काम 2027 तक पूरा होगा। सीएम हाउस में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की समीक्षा बैठक में मेट्रो प्रोजेक्ट पर यह बातें साफ होने के साथ ही सरकार ने शनिवार को दो बड़े फैसले भी किए। पहला, इंदौर से उज्जैन के बीच अब मेट्रो से भी तेज रफ्तार वाली वंदे मेट्रो ट्रेनें चलेंगी।

सिंहस्थ को देखते हुए 2028 से पहले शुरुआत की जाएगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मौखिक सहमति दी है। सरकार ने फिजिबिलिटी सर्वे करा लिया है। रिपोर्ट भी आ चुकी है। दूसरा फैसला, बड़े शहर भोपाल-इंदौर, ग्वालियर-जबलपुर और उज्जैन के लिए नए ट्रैफिक प्लान को लेकर लिया गया है। इसके तहत सभी शहरों में वंदे मेट्रो ट्रेन के अलावा रोप-वे, इलेक्ट्रिक-बस और केबल-कार जैसे सार्वजनिक साधनों का उपयोग होगा। मुख्यमंत्री ने ये मुख्य सचिव वीरा राणा और अन्य अफसरों को इसी के अनुसार काम करने के निर्देश भी दिए। भोपाल-इंदौर में पहले और दूसरे फेज का काम चल रहा है। अफसरों ने सीएम को भरोसा दिया कि पहले चरण के चिह्नित व प्रॉयरिटी कॉरिडोर पर इसी साल मेट्रो का कर्मशियल रन शुरू होगा। भोपाल में मेट्रो पर अब तक 2000 और इंदौर में करीब 3000 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं।

भोपाल
सुभाष नगर से करोंद 2027 तक पूरा होगा काम, डेढ़ लाख लोग रोज सफर करेंगे

मेट्रो रेल कारपोरेशन के एमडी सीबी चक्रवर्ती ने सीएम के सामने भोपाल मेट्रो के काम की प्रगति को लेकर प्रजेंटेशन दिया। उन्होंने बताया कि एम्स से करोंद तक 14 किमी लंबी लाइन का काम 2027 तक पूरा होगा। सुभाष ब्रिज से एम्स तक प्रायोरिटी कॉरिडोर का 90% काम हो चुका है। दूसरे चरण में जिंसी से करोंद के बीच काम शुरू हो चुका है। 2025 की शुरुआत में प्रायोरिटी कॉरिडोर में कमर्शियल रन शुरू होगा। 2027 में भोपाल में 14 किमी लंबी मेट्रो लाइन होगी। इसमें रोज यात्रा करने वालों की संख्या डेढ़ लाख होगी। 2031 तक मेट्रो की दो लाइनें पूरी हो जाएंगी। इसमें रोजाना 4.50 लाख लोग सफर करेंगे। अभी 6.22 किमी का हिस्सा लगभग तैयार है।

इंदौर
गांधी नगर डिपो से शहीद पार्क तक, 5.8 किलोमीटर रूट पर हो चुका ट्रायल रन

पहले चरण में गांधी नगर डिपो से रेडिसन तक 17.5 किमी में 17 स्टेशन बनेंगे। सितंबर 2023 में गांधीनगर से 5.8 किमी के हिस्से में पांच स्टेशनों का काम बाकी है। चंद्रगुप्त चौराहे से रेडिसन तक 366 पेड़ शिफ्ट होने हैं।

शहीद पार्क से पलासिया : दूसरे चरण में 5.5 किमी रूट का काम शुरू हो गया। यहां पांच स्टेशन तीन साल में पूरे होंगे। बंगाली चौराहे से पलासिया तक कई निर्माण तोड़ने हैं। सबसे ज्यादा इसी रूट पर 900 पेड़ भी शिफ्ट होने हैं।

टीआइ मॉल से एयरपोर्ट : टीआइ मॉल से एयरपोर्ट तक अंडर ग्राउंड निर्माण तीसरे चरण में होना है। 8 किमी लंबे रूट पर 8 अंडरग्राउंड स्टेशन बनने हैं। इसका टेंडर अभी नहीं हुआ है।

सीएम बोले, रेल मंत्री से पीथमपुर, देवास पर भी चर्चा

सीएम ने बताया, रेल मंत्री से हाल ही में चर्चा हुई है। उन्होंने प्रदेश में वंदे मेट्रोल के संचालन के साथ मॉडर्न तकनीक के प्रयोग और पीथमपुर-देवास जैसे औद्योगिक क्षेत्रों को लाभान्वित करने के लिए भी सुझाव दिए। सीएम ने प्रदेश में उपलब्ध नैरो गेज और अन्य रेल लाइन के उपयोग की सुझाव दी।

मेट्रो का सिविल वर्क तेजी से चल रहा है। रेवैन्यू के लिए भी लैंड डेवलपिंग की प्लानिंग है। जिंसी से आगे करोंद लाइन के लिए जमीनी काम शुरू किया जा रहा है। एक साथ काम कर समय सीमा के लक्ष्य को प्राप्त करेंगे।
सीबी चक्रवर्ती, एमडी मध्यक्षेत्र

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
28	Times of India	Bhopal	23.06.2024	01&04	CM announces Indore Ujjain Metro; to be ready by Simhastha	Neutral

CM announces Indore-Ujjain Metro; to be ready by Simhastha

TIMES NEWS NETWORK

Bhopal: Chief minister Mohan Yadav on Saturday announced a Metro train link between Ujjain and Indore to facilitate transport for pilgrims during Simhastha in 2028.

"The feasibility report on Indore-Ujjain Metro has been received. The Vande Metro facility from Indore airport to Mahakal Temple will be an important gift to people of the state and for tourists and devotees from India and abroad. Different cities will be able to connect in a better way," the CM said.

Yadav announced that after recent discussions with railway minister Ashwini Vaishnav, it has been decided to run the Vande Metro in place of the old metro for various cities in MP.

CM Mohan Yadav in Bhopal on Saturday

The Vande Metro runs faster than metro, uses more modern technology and is ideal for industrial areas like Pithampur-Dewas, said officials.

▶Continued on P 4

CM Yadav takes stock of Bhopal, Indore metro projects

▶Continued from P1

Vande Metro circle train will be a great gift to citizens. In cities where traffic pressure is increasing, circle trains will be started for integrated planning of metro train operations," the CM said.

On the use of narrow-gauge and other rail lines available in some cities, Yadav said that a survey should be carried out so that rail tracks that are currently not in use can be revived.

The CM reviewed work on the Bhopal and Indore Metro projects on Saturday. Work on the 16.7km AIIMS-Karond line in Bhopal will be completed in three phases. The first phase is 7km long and has eight elevated stations. Officials told the CM that work is on for the 31.3km Indore Metro, which will have 28 stations.

After the review meeting, the CM said that major cities like Bhopal, Indore, Gwalior, Jabalpur and Ujjain will also have ropeway, electric-bus and cable-car transport systems along with Metro and Vande Metro. Local public representatives will be taken into confidence for these projects, he said. The govt aims to improve transport on the Ujjain-Omkareshwar (145km), Bhopal-Indore (190km) and Jabalpur-Gwalior (470km) routes. TNN

MP METRO NEWS
25th June 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
29	People's Samachar	Bhopal	25.06.2024	03	मेट्रो के लिए ब्रिज बनाने का काम जारी, लगाए जा रहे हैं गर्डर	Positive

पीपुल्स समाचार
बदलते जमाने का अखबार
न्यूज़ पोर्टल राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय प्रादेशिक खेल व्यापार
भोपाल सिटी Page: 3 June 25, 2024

मेट्रो के लिए ब्रिज बनाने का काम जारी, लगाए जा रहे हैं गर्डर

भोपाल। एमपी नगर गणेश मंदिर के बाद मेट्रो ट्रेन के लिए बनाए जा रहे ब्रिज का काम तेजी से जारी है। यहां गर्डर लगाने का काम चल रहा है।

पीपुल्स समाचार

MP METRO NEWS

26th June 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
30	पत्रिका	भोपाल	26.06.2024	02	मेट्रो लाइन के आसपास 12 जगह बनें बाजार और कर्मिशयल भवन, आमदनी से दौड़ेंगे मेट्रो के पहिए	Neutral

भोपाल प्राइम

पत्रिका
भोपाल, बुधवार 26 जून 2024
02

मेट्रो ट्रेन के 6.22 किमी के रास्ते पर लैंड डेवलपमेंट स्कीम पर होगा काम

मेट्रो लाइन के आसपास 12 जगह बनेंगे बाजार और कर्मिशयल भवन, आमदनी से दौड़ेंगे मेट्रो के पहिए

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. मेट्रो ट्रेन को कमर्शियल रूप से चलाने के लिए जून 2025 तक का समय तय किया गया है, लेकिन इसके पहले मेट्रो रेल कॉरपोरेशन संचालन इसका खर्च निकालने का इंतजाम कर रहा है। मौजूदा 6.22 किमी लंबे ट्रैक के आसपास मेट्रो रेल कॉरपोरेशन करीब 12 जमीनों को विकसित करने की योजना पर काम कर रहा है। यहां 12 कमर्शियल सेंटर बनेंगे जहां लोगों की चहल पहल होगी।

50 लाख रुपए रोजाना का करना होगा इंतजाम

मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के अफसर व प्रशासन के अफसरों ने बैठक की। एडीएम हिमांशु चंद्र का कहना है कि लैंड डेवलपमेंट पर चर्चा हुई है। कॉरपोरेशन के अफसरों का कहना है कि हम लैंड डेवलपमेंट की कोशिश कर रहे हैं। रेवेन्यू मॉडल ऐसा होगा तो सस्टेनेबल होगा, यानी आय सुनिश्चित व लगातार होगी। जून 2025 के पहले ये कर लिया जाएगा। यहां एक बार मेट्रो का कमर्शियल रन शुरू हुआ तो फिर करीब 50 लाख रुपए रोजाना का इंतजाम करना होगा। अभी महज 6.22 किमी की लाइन है तो खर्च कुछ कम होगा, लेकिन खर्च शुरू हुआ तो फिर चलता रहेगा। दस से 20 रुपए किराए में लाखों का इंतजाम नहीं होगा।

आय बढ़ाने की कवायद शुरू

दरअसल मेट्रो ट्रेन से मिलने वाला किराया संचालन के लिए पर्याप्त नहीं है, कोशिश की जा रही है कि लाइन के आसपास लैंड डेवलपमेंट करके यहां दुकानें व या भवन देकर कमाई की जाए। इसके लिए कॉरपोरेशन ने मेट्रो लाइन किनारे की कई जमीनों को विकसित कर यहां से आय बढ़ाने की कवायद शुरू की है। प्रशासन से जमीनों को चिन्हित कर आवंटन की कोशिश है। अभी बीयू के पास, सुभाष डिपो के पास, एमपी नगर में मेट्रो की जमीनें हैं।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
31	दैनिक जागरण	भोपाल	28.06.2024	07	ट्रायल में 90 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ी मेट्रो	Neutral

ट्रायल में 90 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ी मेट्रो

जागरण, इंदौर। प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में शहरवासियों को बहुत जल्द ही मेट्रो ट्रेन की सुविधाएं मिलेगी। इसी कड़ी में गुरुवार को मेट्रो ट्रेन फास्ट स्पीड का सफल परीक्षण किया गया। रेल प्रबंधन के अनुसार 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से इंदौर में मेट्रो ट्रेन दौड़ी है। मेट्रो ट्रेन का फास्ट स्पीड ट्रायल सफल हुआ है। सुबह साढ़े चार बजे ट्रायल किया गया। साढ़े पांच किलोमीटर के प्रायरिटी कॉरिडोर पर 90 की स्पीड में मेट्रो दौड़ी है। बंगाली चौराहे के आगे भूमिगत होगी या एलिवेटेड इस विवाद के बीच मेट्रो का परीक्षण सफल हुआ है। मेट्रो प्रबंधन द्वारा दिसंबर तक सुपर कारिडोर के प्रायरिटी कारिडोर पर कमर्शियल रन की योजना है। इसके पहले रेल मंत्रालय के रिसर्च डिजाइन एंड स्ट्रक्चरल आर्गेनाइजेशन (आरडीएसओ) की टीम मेट्रो की टेस्टिंग कर अप्रूवल देगी। जल्द ही इसके लिए टीम इंदौर आएगी। इसके बाद कमिश्नर आफ रेलवे सेफ्टी की टीम भी जांच के लिए इंदौर आएगी।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
32	पत्रिका	भोपाल	28.06.2024	02	जुलाई में हबीबगंज रेलवे क्रॉसिंग पर मेगा ब्लॉक की तैयारी, मेट्रो ट्रेन का ब्रिज बनेगा	Neutral

MY CITY माय सिटी | पत्रिका
भोपाल, शुक्रवार, 28 जून 2024

पहले से तैयार हो रहा लंबा-चौड़ा स्टील स्ट्रक्चर ब्रिज

जुलाई में हबीबगंज रेलवे क्रॉसिंग पर मेगा ब्लॉक की तैयारी, मेट्रो ट्रेन का ब्रिज बनेगा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

फाइल फोटो

भोपाल. हबीबगंज रेलवे क्रॉसिंग पर जुलाई के महीने में मेगा ब्लॉक लेने की तैयारी की जा रही है। मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के लिए भारी भरकम स्टील का एक ब्रिज रेलवे ट्रैक के ऊपर स्थापित किया जाना है।

मेट्रो कंपनी के इंजीनियर दल ने इस मामले में भोपाल रेल मंडल के इंजीनियर दल के साथ मौके का निरीक्षण किया है। पीक आवर में होने वाले इस इंस्टॉलेशन ऑपरेशन के लिए रेलवे ने बड़े पैमाने पर यात्री ट्रेन रोक कर मेट्रो रेल कंपनी को समय उपलब्ध कराने का प्रस्ताव बनाया है। भोपाल रेल मंडल की ओर से इस मामले में केंद्रीय रेल मंत्रालय एवं रेलवे बोर्ड की तरफ से अनुमति आने की प्रतीक्षा की जा रही है। जल्द ही रेलवे सेफ्टी कमिश्नर मुंबई की एक टीम मौके पर आकर मेट्रो रेल कंपनी की तैयारी का जायजा लेगी। इसके बाद मौके से गुजरने वाली यात्री ट्रेनों का टाइम टेबल निर्धारित समय सीमा से आगे पीछे तय किया जाएगा। रेलवे का प्रयास है कि ब्लॉक लिए जाने के बाद और पहले यात्रियों को कम से कम असुविधा का सामना करना पड़े।